एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

तीया विक्रम संवत 2083 | बरेली | सोमवार, 18 मई 2026, वर्ष 7

जोधा अकबर... प्रेम, आस्था और संस्कृति का भव्य डांस ड्रामा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचारः एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार शाम नृत्य नाटिका 'जोधा अकबर' का मंचन हुआ। रिद्धिमा के कथक गुरुजन और विद्यार्थियों की इस नृत्य नाटिका में प्रेम, विश्वास और सांस्कृतिक एकता की गाथा को मंचित किया गया।

नाटक में दर्शाया गया कि राजपूत राजकुमारी जोधा श्रीकृष्ण की भक्त हैं, जबकि सम्राट अकबर इस्लाम धर्म के अनुयायी हैं। दोनों के बीच विचारों का अंतर होने के बावजूद संबंधों में प्रेम, सम्मान और समझ की भावना बनी रहती है। प्रस्तुति का आरंभ राजमहल के भव्य दृश्य से होता है, जहां राजपूताना संस्कृति, लोक संगीत और पारंपरिक नृत्य ने दर्शकों को मुगलकालीन वातावरण का अनुभव कराया। जोधा के कृष्ण भक्ति से जुड़े दृश्यों में मनमोहक नृत्य, भजन और भावपूर्ण अभिनय ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। वहीं अकबर के दरबार के दृश्यों में शाही गरिमा, सूफियाना संगीत और मुगल संस्कृति की झलक प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत की गई। नृत्य नाटिका में अकबर के दरबार में मौलवियों और पंडितों के बीच धार्मिक मान्यताओं पर बहस भी दिखाई गई। अकबर और महारानी जोधा यह समझाने का प्रयास करते हैं कि धर्म मनुष्य को जोड़ने का माध्यम है; विभाजन का नहीं। अकबर की भूमिका कथक गुरु देवज्योति नास्कर और जोधा की भूमिका कथक गुरु रियाश्री चटर्जी ने निभाई। जोधा के बचपन के रोल में नितारा लूथरा रहीं। नृत्यांगना के रूप में कथक के विद्यार्थी अंशु शर्मा, गौरिका, अवनी भसीन, अवनी अग्रवाल, कायरा, अनाया, विवक्षा, युतिका, त्रिशिका, आयत, नवाया, नित्या, मीरा, गुरनूर, क्षमा, तृप्ता, मधुर और निधि ने भाग लिया। देविशा मूर्ति ने सूत्रधार की भूमिका निभाई। संचालन अरुणा गंगवार ने किया। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक एवं चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, उषा गुप्ता, डा.रजनी अग्रवाल, सुभाष मेहरा, डा.प्रभाकर गुप्ता, डा.अनुज कुमार, डा.शैलेश सक्सेना, डा.आशीष आदि मौजूद रहे।

जोधा बनीं रियाश्री चटर्जी।

जोधा अकबर के एक दृश्य में नृत्य करतीं बाल कलाकार। ● अमृत विचार

● रिद्धिमा के कथक गुरु और विद्यार्थियों ने की नृत्य नाटिका